ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-1 No. 3 January–December 2020

बीएचईएल में मानव संसाधन प्रबंध की भूमिका

निर्देशक

डॉ. एस.के. ठाकुर

(प्राध्यापक)

शास. महारानी लक्ष्मी बाई कन्या स्नाकोत्तर मौर्य (स्वशासी) महाविद्यालय भोपाल (म.प्र)

श्रीमती रेनू
शोधार्थी

सारांश

बीएचईएल में मानव संसाधन प्रबंध की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है ऐसा कार्य बीएचईएल में कार्य करने वाले कर्मचारियों का चयन प्रशिक्षण अभी प्रेरणा आदि क्रियाओं में सही निर्णय लेना वह कर्मचारियों एवं अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित करने से हैं मानव संसाधन प्रबंध कंपनी व कर्मचारी दोनों के हितों को ध्यान में रखते हुए कंपनी के लक्ष्यों की प्राप्ति का नियोजन करती है इसका कार्य है कि कम व्यय में कंपनी में योग्य कर्मचारियों का चयन किया जाए व प्रशिक्षण कार्यक्रम ऐसा हो जिसमें कर्मचारियों को संपूर्ण लाभ प्राप्त हो सके कुछ कर्मचारियों से कारी कराने के लिए करण का उपयोग किया जाता है में आने वाली समस्याओं को हल करने के लिए मानव संसाधन प्रबंध कि अहम भूमिका होती है

की-वर्ड : ***मानव संसाधन प्रबंध, चयन, प्रशिक्षण, अभिप्रेरणा।***

परिचय

मानव संसाधन प्रबंध का इतिहास बहुत पुराना है इसमें समय-समय पर बदलाव होते रहे है तथा कुछ नए तरीके और पुराने तरीकों में संशोधन भी होते रहते हैं जो कि इसे बेहतर बनाने में सहायक रहे हैं मानव संसाधन प्रबंध हर क्षेत्र की जरूरत है इसके बिना किसी भी क्षेत्र में कार्य को सही ढंग से पूरा करने में मुश्किल आ सकती है इसलिए यह हर क्षेत्र में लागू होता है इसमें कर्मचारियों की नियुक्ति से लेकर निष्पादन तक के सारे कार्य आते हैं इसके द्वारा कर्मचारियों को करने के तरीके सिखाए जाते हैं जिससे उनकी कार्यकुशलता में वृद्धि होती है इसमें कर्मचारियों को आदेश देकर कार्यक्रम निश्चित प्रारूप के अनुसार पूरा किया जाता है

मानव संसाधन प्रबंध का कार्य संगठन में स्वस्थ वातावरण का निर्माण करना है जिससे किकर्मचारियों में संगठन के प्रति द्वेष की भावना ना जागृत हो क्योंकि मानव संसाधन प्रबंधन का कार्य किसी व्यक्ति विशेष से ना हो कर संपूर्ण संगठन के हित में कार्य करना होता है मानव संसाधन प्रबंधन का कार्य कर्मचारियों के नैतिक कर्तव्यों से अवगत कराना तथा उनके

Copyright © 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-1 No. 3 January–December 2020

मनोबल को बढ़ाना होता है जिससे वह वह संगठन के प्रति उत्तरदायित्व होकर कार्यों का निष्पादन संपूर्ण निष्ठा और लगन से पूर्ण करें तथा संगठन को उचित परिणामों की प्राप्ति हो सके। मानव संसाधन प्रबंधन में कभी कभी प्रलोभन की नीति बना कर भी कर्मचारियों की दक्षता से अधिक कार्य करवाया जाता है इसमें कर्मचारियों को प्रलोभन देकर कार्य करने के लिए उत्साहित किया जाता है जिससे कार्य को सीमा के भीतर पूर्ण किया जा सके यह प्रलोभन किसी भी रुप में हो सकता है जैसे उपहार के रूप में टूर पैकेज के रूप में या नगद भी हो सकता है कई संगठन अपने कर्मचारियों के साथ साथ सुरक्षा स्वास्थ्य शिक्षा रहन सहन आदि की व्यवस्था करती है इस प्रकार से कर्मचारी किसी भी संगठन के साथ लंबे समय तक जुड़ा रहता है और अपनी सेवाएं प्रदान करता है 1

भर्ती

भर्ती एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके माध्यम से कार्य करने के लिए इच्छुक व्यक्तियों का पता लगाया जाता है तथा नियुक्ति हेतु आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। भर्ती करने का उददेश्य आवश्यक मात्रा में आवेदकों को प्राप्त करना है। भर्ती एक सतत् प्रक्रिया है, जिसके द्वारा कर्मचारियों की आवश्यकता की पूर्ति माँग के अनुरूप बनाई जाती है। यह एक तरह से मानव शक्ति के चयन की प्रारम्भिक प्रक्रिया है।

भर्ती की प्रक्रिया

आन्तरिक स्रोत

आन्तरिक स्रोत से आशय उपक्रम में कार्य करने वाले कर्मचारियों की उच्च पदों पर पदोन्नति, स्थानान्तरण व समायोजन से है। सामान्यत: आन्तरिक स्रोतों से भर्ती उच्च पदों पर की जाती है। इसके प्रमुख तीन स्रोत है-

- **पदोन्नति**
- **स्थानान्तरण**

बाह्य स्रोत

बाह्य स्रोत से भर्ती निम्न वर्गीय कर्मचारियों की जाती है। भर्ती के बाह्य स्रोत निम्नलिखत है-

- पूर्व कर्मचारियों की पुनर्नियुक्ति
- मित्र या रिश्तेदार
- विज्ञापन द्वारा
- रोजगार कार्यालय द्वारा भर्ती
- शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा भर्ती

Copyright © 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-1 No. 3 January–December 2020

चयन प्रक्रिया

चयन हेतु किसी आदर्श प्रक्रिया का प्रावधान नहीं है, जिसका सभी क्षेत्रों में सभी संगठनों द्वारा अनुसरण किया जा सके। विभिन्न संगठनों द्वारा, संगठन के आकार, व्यवसाय की प्रकृति, रिक्त पदों की संख्या एवं प्रकार तथा प्रचलित विधानों के अनुपालन की स्थिति के आधार पर भिन्न-भिन्न चयन अपनी तकनीकों अथवा पद्धतियों को अपनाया जा सकता है।

- आवेदन-पत्र
- प्रारम्भिक साक्षात्कार
- चयन परीक्षण
- योग्यता परीक्षण
- बुद्धि परीक्षण
- रूचि परीक्षण
- समूह परिचर्चा
- चिकित्सकीय परीक्षण
- सन्दर्भों की जाँच
- नियुक्ति आदेश

प्रशिक्षण

साधारण शब्दों में, प्रशिक्षण किसी कार्य विशेष को सम्पन्न करने के लिए एक कर्मचारी के ज्ञान एवं निपुणताओं में वृद्धि करने का कार्य है। प्रशिक्षण एक अल्पकालीन शैक्षणिक प्रक्रिया है तथा जिसमें एक व्यवस्थित एवं संगठित कार्य-प्रणाली उपयोग में लायी जाती हैं, जिसके द्वारा एक कर्मचारी किसी निश्चित उद्देश्य के लिए तकनीकी ज्ञान एवं निपुणताओं को सीखता है। दूसरे शब्दों में प्रशिक्षण कार्य एवं संगठन की आवश्यकताओं के लिए एक कर्मचारी के ज्ञान निपुणताओं, व्यवहार, अभिरूचियों तथा मनोवृत्तियों में सुधार करता है, परिर्वतन उत्पन्न करता है तथा ढालता है। इस प्रकार प्रशिक्षण एक सीखने का अनुभव है। जिसके अन्तर्गत यह एक कर्मचारी में तुलनात्मक रूप से स्थायी परिवर्तन लाने का प्रयास करता है, जो कि उसके कार्य का निष्पादन क्षमता में सुधार लाता है।

प्रशिक्षण के प्रकार

- कार्य-परिचय प्रशिक्षण
- कार्य प्रशिक्षण
- पदोन्नति प्रशिक्षण
- पुनअभ्यास प्रशिक्षण

अभिप्रेरणा

इसके अंतर्गत वे सभी वस्तुएं है जो किसी भी व्यक्ति के जीवन यापन के लिए आवश्यकता होती हैं जो समाज में हम रहते हैं यहां रहने के लिए हमें कुछ आधारभूत वस्तुओं की

Copyright © 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-1 No. 3 January–December 2020

आवश्यकता होती है जैसे कि भोजन वस्त्र रहने के लिए मकान और इन सभी जरूरतों को पूरा करने के लिए धन की आवश्यकता होती है और इसी कारण से व्यक्ति काम करने के लिए प्रेरित होता है जिससे उसे धन की प्राप्ति हो और वह अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर सके जब तक वह अपनी सभी और सकता हूं की पूर्ति नहीं कर लेता उसमें प्रेरणा शक्ति कार्य करती रहती है इसी को अभिप्रेरण भी कहते हैं इसमें व्यक्ति स्वयं की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कार्य करने को प्रेरित होता है।

अभिप्रेरणा के प्रकार

1 धनात्मक अभिप्रेरणा अच्छी आदतों को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है जैसे व्यक्ति किसी लाभ यह पुरस्कार की प्राप्ति के लिए अपनी इच्छा अनुसार ढंग से पूरा करता है कोई भी मनुष्य कार्य को इसी लालच में करता है कि इसके बदले उसे कुछ धन की प्राप्ति होगी और इस प्रकार के अभिप्रेरण को धनात्मक अभिप्रेरणा कहते हैं

2 वित्तीय अभिप्रेरणा– इसमें कर्मचारियों को प्रत्यक्ष रूप से धन लाभ के द्वारा कार्य के लिए प्रेरित किया जाता है यह एक तथ्य है कि मौद्रिक अभी प्रेरण कार्य कराने के लिए कर्मचारियों को निश्चित रूप से भी प्रेरित करती है इस प्रकार का अभिप्रेरण सर्वाधिक प्रचलित है इसमें वेतन, मजदूरी व बोनस और अतिरिक्त धन लाभ भी हो सकता है लाभ भागिता व सवेतन अवकाश की सुविधा दी जाती है इस प्रकार की अभिप्रेरणा आज सबसे ज्यादा सहायक सिद्ध हो रही है।

समस्याएं–

मानव संसाधन का मन में कर्मचारी की भर्ती चयन प्रशिक्षण व अभिप्रेरणा से संबंधित कार्य किए जाते हैं किंतु इसमें कुछ ऐसी समस्याएं हैं जिनका समाधान करना अत्यंत आवश्यक होता है इसमें भर्ती प्रक्रिया प्रमुख है कंपनी चाहती है कि उसे कम वेतन में अच्छे कर्मचारियों की प्राप्ति हो किंतु कम वेतन के कर्मचारियों का अनुभव ना होने से कंपनी में समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं

सुझाव

मानव संसाधन प्रबंध में कुछ बदलाव की आवश्यकता है जिसमें उसे खुलकर कार्य करने की आजादी होनी चाहिए जिससे वह अपने कार्य को स्वयं उत्तरदायी होकर निर्णय लें। तथा उसे भर्ती प्रक्रिया में अनुभवी व योग्य कर्मचारियों की भर्ती को प्राथमिकता देने की आजादी हो। और कर्मचारी के हित को प्राथमिकता दे। जिससे कर्मचारी का कंपनी के प्रति विश्वास बढ़ेगा और वह कंपनी से जुड़कर लक्ष्यों की प्राप्ति व कंपनी की सफलता में सहयोग प्रदान करेगे।

Copyright © 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-1 No. 3 January–December 2020

निष्कर्ष

मानव संसाधन प्रबंधन इस समय के साथ बदलाव होते रहे हैं और वह कंपनी व कर्मचारियों के बीच समंदर बनाते हुए तो कर रही है जिससे कंपनी को भी सफल बनाया जा सके और कर्मचारी को भी लाभ मिल सके मानव संसाधन प्रबंध का कार्य है कि वह कंपनी में कार्य करने वाले प्रत्येक कर्मचारी के हित की रक्षा करते हुए कंपनी द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं को कर्मचारियों तक पहुंचाएं जिससे कंपनी व कर्मचारियों में समन्वय बना रहे और दोनों का विकास हो सके।

शोध ग्रंथावली

1.http://www.bhel.com/index.php/people_management

2.https://writepass.com/journal/2011/10/hr-lit-reviewfree-human-resources-literature-review/

3.https://en.m.wikipedia.org/wiki/Bharat_Heavy_Electricals_Limited

4.http://docshare.tips/summer-training-project-report-on-employee-motivation-of-bhel-employees_

5 http://www.humanresourceexcellence.com/importance-of-human-resource-management

6 https://www.yourarticlelibrary.com/hrm/objectives-and-importance- of-human-resource-management

7 https://smallbusiness.chron.com10-reasonshrimportantorganization

8 https://en.wikipedia.org/wiki human resource management

9 http://www.whatishumanresource.com/human-resource-management

10 https:www.economicsdiscussion.net/human-resource-management/role-of-hr-manager-in-an-organisation

Copyright © 2020 Authors